Headline

1. नए संसद भवन का उद्घाटन: विपक्ष के बहिष्कार के खिलाफ खड़े हुए पूर्व नौकरशाह-राजदूत, बोले- यह अलोकतांत्रिक तेवर
2. 'NATO प्लस का हिस्सा बने भारत': अमेरिकी समिति की बाइडन सरकार से मांग- चीन को टक्कर देने के लिए यह जरूरी
3. Delhi NCR Weather: दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश, दृश्यता कम होने से उड़ानों पर असर
4. Akshay Kumar: फिल्म 'सेल्फी' के मजदूरों को अब तक नहीं मिला वेतन, यूनियन ने दिया बायकॉट का अल्टीमेटम
5. Pakistan: इमरान खान को एक और झटका, PTI नेता फवाद चौधरी के इस्तीफे के बीच बाबर अवान लंदन रवाना
6. Global Ranking: एजेंडा चलाने वाली ग्लोबल रैंकिंग एजेंसियों पर नकेल कसने की तैयारी, भारत ने अपनाया कड़ा रुख

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 317 | इंदौर, शनिवार 27 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मप्र के दो डीके कांग्रेस की वाट लगा रहे

कांग्रेस की मीटिंग कैंसिल होने पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा-

जनप्रिय नेताओं को किनारे कर रहे दिग्विजय-कमलनाथ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता सोनिया, राहुल, प्रियंका गांधी के साथ होने वाली मध्यप्रदेश के नेताओं की मीटिंग फिर कैंसिल हो गई। दो बार इस बैठक के स्थगित होने पर मध्यप्रदेश के गृह मंत्री और बीजेपी नेता डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसा है। मिश्रा ने कहा- मप्र के दो डीके (दिग्विजय-कमलनाथ) कांग्रेस की वाट लगाए दे रहे हैं।

भोपाल में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में गृह मंत्री ने कांग्रेस की मीटिंग स्थगित होने पर कहा- अगली तारीख भी तय नहीं है। 24 मई, फिर 26 मई, अब आगे गई... तारीख पर तारीख। दरअसल, कांग्रेस में दो तरह के नेता हैं। एक जनप्रिय नेता हैं। दूसरे 10 जनपथ के प्रिय नेता हैं। कांग्रेस में जनप्रिय नेताओं की वाट लगाकर रखी गई है। मध्यप्रदेश में ही अगर हम देखें तो जीतू पटवारी, अरुण यादव को कोई पूछ नहीं रहा। इन्हें हाशिए पर ढकेलने की कोशिश की जा रही है। 10 जनपथ के जो प्रिय हैं, उनको ही आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश में दोनों डीके (दिग्विजय-कमलनाथ) कांग्रेस की वाट लगाए दे रहे हैं। कांग्रेस का हश्र समझ में आ रहा है। आप देखें तो राजस्थान में सचिन पायलट, जो जनता के बीच के आदमी हैं; छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल हैं, चारों तरफ बिनु पग चले सुने बिनु काना, करी विद कर्म करें विधि नाना (चौपाई सुनाते हुए कहा) वाली स्थिति है। हिज्ब उत तहरीर के संदिग्ध आतंकियों के पकड़े जाने के मामले पर नरोत्तम ने कहा- जो लोग पकड़े गए थे, उनके अलग-अलग राज्यों समेत इंटरनेशनल कनेक्शन सामने आए थे।

2000 के नोट पर कही थी ये बात

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 2000 का नोट बंद करने से पहले केंद्र सरकार को यह बताना चाहिये कि इसे लाया ही क्?यों गया था। हाल ही में इंदौर आए गृहमंत्री डाक्टर नरोत्तम मिश्रा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कल दिग्विजय सिंह यह भी कहेंगे कि यदि किसी व्यक्ति को मरना ही था तो, वह पैदा क्यों हुआ। गृहमंत्री ने दिग्विजय सिंह द्वारा मध्यप्रदेश में कालोनियों को वैध करने के नोटिफिकेशन जारी नहीं करने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस और दिग्विजय सिंह ने आज तक भाजपा सरकार की ओर से किए किसी भी काम पर खुशी जाहिर नहीं की, लेकिन इसके बावजूद पिछले 20 सालों से भाजपा को कांग्रेस से ज्यादा वोट मिल रहे हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने ने यह भी कहा था कि इंदौर के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और बजरंग दल के खिलाफ आपत्तिजनक पर्चे बंटने की घटना को इंदौर पुलिस और प्रशासन गंभीरता से ले रही है।

यात्री बसों के लिए प्रति सीट 200 रुपये देना होगा टैक्स

राज्य सरकार ने वाहनों पर टैक्स भार घटाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार जनता के हित में नित नए निर्णय ले रही है। इसी क्रम में अब मध्य प्रदेश सरकार ने यात्री बसों का टैक्स भार घटाया है। परिवहन विभाग ने मप्र मोटरयान कराधान अधिनियम 1991 में बदलाव नए टैक्स निर्धारित किए हैं। संशोधित शुल्क आगामी 19 जून के बाद पूरे राज्य में प्रभावशील होंगे।

वाहन बेचने वाले डीलरों को भी व्यापार प्रमाण-पत्र लेने पर अब स्लैब के अनुसार शुल्क देना होगा। इसके अलावा सरकारी वाहन पर उसकी आयु के हिसाब से लाइफ टाइम टैक्स लिया जाएगा। परिवहन विभाग ने वाहनों के मानक मूल्य भी तय कर दिए हैं।

भारत में निर्मित वाहन के मानक मूल्य में एक्स शोरूम मूल्य, जीएसटी एवं क्षतिपूर्ति उपकर भी शामिल रहेगा या डीलर द्वारा जारी वाहन के मूल्य का बीजक, इनमें से जो भी ज्यादा हो, मानक मूल्य रहेगा। विदेश से आयात कर भारत लाए वाहन के मानक मूल्य में सीमा शुल्क विभाग द्वारा दी लैंड वेल्यू जिसमें सभी कर शामिल हैं, सम्मिलित रहेगा।

● नए टैक्स किए निर्धारित

आल इंडिया परमिट वाली बसों जिनमें बैठक क्षमता 13 प्लस एक या अधिक है और निजी सेवा वाहन के रुप में अन्य राज्य से जारी अनुज्ञा पत्र पर मध्य प्रदेश में संचालित हो रही है, उन्हें 200 रुपये प्रति सीट टैक्स देना होगा। पहले यह टैक्स 700 रुपये प्रति सीट था।

नाबालिग से शादी पर 20 साल की कैद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। विशेष न्यायालय पॉक्सो गंभीर मामलों पर लगातार आरोपियों को दंडित कर रहा है। न्यायाधीश प्राची पटेल की अदालत से अभियुक्त सहम जाते हैं। एक मामले में स्वप्निल पिता सुनील 30 साल, निवासी ग्राम दहिगांव जिला आकोला को 20 वर्ष की सजा सुनाई है। उस पर नाबालिक बालिका से शादी कर उसे गर्भवती करने का आरोप था।

अभियोजन सहा. मीडिया सेल प्रीति मीना ने बताया कि, मामला 25 जून 2017 का है। आरोपी नाबालिग बच्ची को बहला फुसलाकर ले गया था। युवती उसके गांव दहीगांव चली गई। शेगांव मंदिर में शादी कर ली। स्वप्निल के साथ पत्नी की तरह रहने लगी थी।

न्यायालय के समक्ष पीड़िता पक्षद्रोही घोषित होकर अभियोजन का समर्थन नहीं किया। किन्तु पीड़िता से जप्त उसके आर्टिकल्स, उसकी पुत्री का रक्त नमूना और आरोपी के रक्त नमूने को डी.एन.ए. जांच हेतु भेजा गया था। जिसकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। न्यायालय ने डी.एन.ए. रिपोर्ट पॉजिटिव आने से आरोपी को दोषसिद्ध किया गया।

3 आरोपियों को 6 माह की सजा

बकरियों के खेत में घुस जाने की बात पर गालियां एवं मारपीट करने वाले आरोपीगण को 06-06 माह का कारावास हुआ है। विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी, प्रकाशचंद्र आर्य ने संतोष पिता तुकाराम मालाकार निवासी शिवना, नानकराम पिता जोगीलाल मालाकार निवासी शिवना, विशाल पिता संतोष मालाकार निवासी शिवना को दण्डित किया है।

इंदौर की कंपनी के सफाई मित्रो की टीम हिमालय में कचरा फैलने से रोकेगी

इंदौरी पोहे, साबूदना खिचड़ी, चाय यात्रियों को निःशुल्क प्रसाद के तौर पर वितरित की जाएगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सबसे दुर्गम और हिमालय की ऊंचाइयों पर स्थित बाबा अमरनाथ पवित्र गुफा यात्रा के वेस्ट मैनेजमेंट का जिम्मा इंदौर की स्टार्टअप कंपनी को फिर मिला है। कंपनी 350 से अधिक सफाई मित्रों और वॉलेंटियर की टीम के साथ अमरनाथ के दोनो यात्रा पथ यानि बालटाल और पहलगाम पर और गुफा तक के 13 कैंपों के माध्यम से कचरे को हिमालय में फैलने से रोकेगी। अमर नाथ यात्रा एक जुलाई से शुरू होने वाली है। यात्रा के दौरान लाखों यात्री पवित्र गुफा के दर्शन के लिए जाते है और सैकड़ों टन कचरा भी इस दौरान उत्पन्न होता है। यात्रा के वेस्ट मैनेजमेंट का जिम्मा इंदौर की स्टार्टअप कंपनी स्वाहा को मिला है।

डायरेक्टर समीर शर्मा ने बताया कि हमारी टीम सबसे पहले बेस कैंप पर ही सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकेगी और उसके लिए यात्रियों से प्लास्टिक लेकर कपड़े के थैले निशुल्क बांटे जाएंगे। इसके बाद लंगरों के फूड वेस्ट और किचन वेस्ट से ऑन स्पॉट कंपोस्ट बनाया जाएगा।यात्री कम से कम कचरा फैलाए, इसके लिए यात्रा मार्ग पर जिंगल्स, यात्रा एंथम , विभिन्न एक्टिविटीज , सेल्फी प्वाइंट, कपड़े का बैग और साथ ही स्वच्छता मासकॉट पूरे समय बेस कैंपों में घूमेंगे।

पहाड़ों पर इंदौरी पोहा भी मिलेगा

यात्रा के दौरान इस बार स्वाहा इंदौर के सोशल मीडिया ग्रुप के साथ मिलकर एक ऐसा लंगर लगाएगा, जो पूरी तरह सोलर और बायोगैस से चलेगा और इसमें इंदौरी स्वाद यानी पोहे, साबूदना खिचड़ी, चाय यात्रियों को निशुल्क प्रसाद के तौर पर वितरित की जाएगी।

● 20 से 30 लाख बोतले रास्ते में फेंकते है यात्री

अमरनाथ यात्रा 62 दिन चलेगी। इस दौरान 1200 टन कचरे का एकत्र कर उसका निपटान किया जाएगा। कंपनी के रोहित अग्रवाल के अनुसार यात्रा के दौरान 20 से 30 लाख प्लास्टिक बोतलों का यात्री उपयोग करते है और उसे रास्ते में फेंक देते है। सबसे ज्यादा प्लास्टिक कचरा इन बोतलों के कारण ही होता है। हमारी टीम यात्रा के शुरूआती कैम्प में ही सिंगल यूज प्लास्टिक रोकेगी। कचरे को प्रोसेस करने के लिए हमने विशेष मशीनें तैयार की है जो बिजली के बगैर चलेगी। उन्हें घोड़ों की मदद से पहाड़ों पर पहुंचाया जाएगा।

एक साथ 4 ओटी में हुए लीवर ट्रांसप्लांट

● दो महिलाओं ने अपने पति और बेटे की जान बचाने के किए प्रयास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने एक ही दिन में दो लाइव डोनर लीवर ट्रांसप्लांट कर उपलब्धि हासिल की है। यह ऑपरेशन चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चार ऑपरेशन थियेटरों में एक ही दिन में किए गए। दोनों मरीजों का लीवर फेल हो चुका था। इन दोनों ही मरीजों को उनके परिवार के सदस्यों से लीवर का एक हिस्सा मिला। एक 55 वर्षीय मरीज को उनकी 52 वर्षीय पत्नी ने ही अपने लीवर का हिस्सा दिया। वहीं, दूसरे मामले में अपने 27 वर्षीय बेटे के जीवन को बचाने के लिए 55 वर्षीय मां ने अपने लीवर का एक हिस्सा दिया। चारों ही मरीज ऑपरेशन के बाद अब पूरी तरह ठीक है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है। डॉ विवेक विज और डॉ सुदेश शारदा के नेतृत्व में सर्जिकल विशेषज्ञों की टीम, डॉ पीयूष श्रीवास्तव, डॉ नितिन शर्मा, डॉ नीरज गुप्ता के साथ इन चार ऑपरेशन को 20 नर्सिंग स्टाफ और टेक्नीशियन ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन प्रो संजय दीक्षित ने लीवर डोनर और रिसीव करने वाले करने वालों से ऑपरेशन के बाद मुलाकात कर पूरी टीम को बधाई दी। इस लीवर ट्रांसप्लांट टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. अजय जैन, एचओडी, डिपार्टमेंट ऑफ लीवर एंड बिलियरी डिसिजेस ने बताया कि भारत में लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की सफलता दर लगभग 95 फीसदी है और सर्जरी के बाद सभी मरीज सामान्य जीवन और काम फिर से कुछ ही दिनों बाद शुरू कर देते हैं।

70 से अधिक वाहनों की चेकिंग

मौके पर एक बस का फिटनेस किया निरस्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशन में वाहनों की चेकिंग का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत आज शहर के विभिन्न स्थानों पर 70 से अधिक वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान इंदौर से खरगोन जा रही बस, जिसकी कमानी टूटी होने के बाद भी सवारी का परिवहन किया जा रहा था, उसका मौके पर ही फिटनेस निरस्त किया गया। साथ ही अन्य वाहनों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए 87 हजार रुपए का राजस्व वसूल किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर एवं संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों सहित अन्य वाहनों की विशेष चेकिंग का अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर 70 से अधिक वाहनों को चेक किया गया। वाहनों के परमिट, फिटनेस, रजिस्ट्रेशन, बीमा, पीयूसी, मोटरयान कर प्रमाण आदि दस्तावेज चेक किये गए। क्षमता से अधिक सवारी, तेज गति से वाहन चलाने, परमिट शर्तो का उल्लंघन, वाहन चलाते समय चालक द्वारा मोबाइल पर बात करने, प्रेशर हॉर्न, आदि की जाँच की गई। बस यात्रियों से वाहन की गति, ड्राइवर कंडेक्टर के व्यवहार, सही तरीके से वाहन चलाने आदि के सम्बंध में फीडबैक भी लिया गया। इस दौरान इंदौर से खरगोन जा रही बस, जिसकी कमानी टूटी होने के बाद भी सवारी का परिवहन किया जा रहा था, उसका मौके पर ही फिटनेस निरस्त किया गया। अन्य वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई, जिनसे 87 हजार रुपए राजस्व वसूला गया।

छत्रपति शिवाजी पर व्याख्यान 6 जून को

इंदौर । युग प्रवर्तक छत्रपति शिवाजी महाराज का 350 वां राज्याभिषेक दिवस 6 जून को मनाया जाएगा। इस मौके पर हर वर्ष की तरह सुशीला कला मंच की और से शोभा कुटुंबले स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक श्रीनिवास कुटुंबले ने बताया कि इस बार छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय नौसेना के जनक विषय पर एयर चीफ मार्शल अजित शंकरराव भोंसले का व्याख्यान होगा। अध्यक्षता करेंगे सांसद शंकर लालवानी। कार्यक्रम 6 जून को शाम 6 बजे जाल सभागृह में होगा।

लाइफ वालंटियर के चयन हेतु समिति गठित

इंदौर। पर्यावरण के लिए जीवन शैली हेतु युवा नेतृत्व विकास के पालन में यूथ फॉर लाइफ कार्यक्रम संपूर्ण प्रदेश में प्रारंभ किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत लाइफ वालंटियर (स्वयंसेवकों) का चयन किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी द्वारा जिला स्तरीय परीक्षण समिति का गठन किया गया है। इस समिति में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी को शामिल किया गया है। समिति द्वारा संचालक एप्को से प्राप्त सूची का परीक्षण कर आवेदकों का चयन कर सूची कार्यपालन संचालक एप्को को उपलब्ध कराई जाएगी। जिला स्तर पर क्षेत्रीय अधिकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

कटाक्ष

जरूरतमंद व्यक्तियों के जीवन रक्षा के लिए रक्तदान का महा अभियान 29 मई को

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर गौरव महोत्सव के तहत आगामी 29 मई सोमवार को रक्तदान का महा अभियान चलाया जाएगा। इस दिन इंदौर में लगभग 32 जगहों पर शिविर आयोजित किए जायेंगे। इन शिविरों में 14 हजार से अधिक ब्लड यूनिट एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह शिविर विभिन्न औद्योगिक संगठनों, व्यापारिक एवं व्यवसायिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक तथा धार्मिक संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं आदि के माध्यम से आयोजित किए जायेंगे। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने इंदौर शहर वासियों से अपील की है कि उक्त शिविरों में पहुंचकर रक्तदान करें। रक्तदान महादान है। रक्तदान से कई जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा की जा सकती है। रक्तदान का यह महा अभियान कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की पहल पर हो रहा है। बताया गया कि एसोसिएशन ऑफ इण्डस्ट्रीज मध्यप्रदेश की पोलो ग्राउंड और पालदा संस्था द्वारा पोलो ग्राउंड में शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी तरह आशा कन्फेक्शनरी, प्रेम टेक्सटाईल, जश इंजीनियरिंग तथा आईटीएल द्वारा आशा कन्फेक्शनरी सांवेर रोड़ में, इण्डो जर्मन टूल, एडरोईट इण्डस्ट्रीज, कोहेनूर इंजीनियरिंग तथा मेटल प्रोसेसिंग यूनिट द्वारा इण्डो जर्मन टूल सांवेर रोड़ में, सेज युनिवर्सिटी द्वारा कॉलेज केंपस बायपास में, क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन द्वारा सभागृह क्लॉथ मार्केट में, माहेश्वरी समाज द्वारा मुकुट मांगलिक भवन में, आई.पी.एस. एकेडमी द्वारा कॉलेज केंपस राजेन्द्रनगर में, अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन भवन में, श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा महावीर भवन राजवाड़ा में, ऑरियंटल युनिवर्सिटी द्वारा कालेज केंपस सांवेर रोड में, गुजराती कॉलेज द्वारा कॉलेज केंपस नसिया में, अरविंदों कॉलेज द्वारा कॉलेज केंपस सांवरे रोड में, रंजीत हनुमान मंदिर तथा अन्नपूर्णा मंदिर द्वारा रंजीत हनुमान मंदिर परिसर में शिविर आयोजित किया गया है।

सांसद आदर्श ग्राम गुलावट में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की

इंदैर। सांसद आदर्श ग्राम गुलावट लोटस वैली में जिला प्रशासन एवम आयुष विभाग इंदौर द्वारा निशुल्क शिविर आयोजित कर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर का 217 ग्रामीणों ने लाभ लिया। शिविर में 77 व्यक्तियों की ब्लड शुगर तथा हीमोग्लोबिन की भी निशुल्क जांच की गई। शिविर में आयुर्वेद अनुसार स्वस्थ दिनचर्या, ऋतुचर्या, हेल्थी लाइफ स्टाइल, योग और योग के लाभ,आयुवेर्दानुसार पोषण आहार, मोटा अनाज के उपयोग, देवारण्य योजना,आयुष क्योर ऐप आदि के संबंध में जानकारी दी गई । शिविर प्रभारी डॉ घनश्याम डावर ने बताया कि शिविर में डॉ मनीष रघुवंशी, डॉ गरिमा मंडलोई, डॉ श्रद्धा चौहान, डॉ सोनम तिवारी, डॉ जितेन्द्र भालसे, डॉ लुबना परवीन सैय्यद, डॉ महेश बोर्दिया तथा डॉ पूजा पटेल ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया।

खंडवा रोड पर हादसा

तेज रफ्तार में ओवरटेक करते ही सामने आ रहे मिनी ट्रक से जा भिड़ी बस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खंडवा रोड स्थित चोरल में एक बस ड्राइवर ने तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाई। फिर एक वाहन को ओवरटेक करते समय सामने से आ रहे मिनी ट्रक से भिड़ा दी। ट्रक के पीछे आ रही एक कार भी हादसे में क्षतिग्रस्त हुई है। संयोग से हादसे में कोई यात्री घायल नहीं हुआ, लेकिन ड्राइवर का पैर फंस गया। बड़ी मुश्किल से पैर निकाला गया। हालांकि, कुछ सवारियों को मामूली चोट आई है। वह सवारी बैठाने के लिए दूसरी बसों को पीछे छोड़ते हुए बस दौड़ा रहा था। हादसे के बाद कुछ देर के लिए वहां जाम लग गया था।

सिमरोल पुलिस के अनुसार हादसा शुक्रवार शाम चोरल में माता मंदिर वाली पुलिया पर हुआ। हादसे में ड्राइवर जख्मी हुआ है, बाकी सवारियां सुरक्षित हैं। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण संजय यादव ने बताया कि रोड के इस भाग में मोड़ है। सभी वाहन अपनी-अपनी लेन में कम गति से चलते हैं, क्योंकि यह एक्सीडेंटल जोन है। इसकी जानकारी होने के बाद भी कुछ ड्राइवर ओवर स्पीड में गाड़ी दौड़ाते हैं। इसी के चलते शुक्रवार को इंदौर तरफ से खंडवा जा रही महाकाल ट्रेवल्स की बस हादसे का शिकार हो गई।

यात्री बोले- तेज गति से चला रहा था बस

बस में बैठी सवारियों ने बताया कि ड्राइवर पूरे रास्ते बस को काफी तेजी से दौड़ा रहा था। संभवतः उसने शराब पी रखी थी। उसने रेलवे क्रॉसिंग के बाद स्पीड़ बढ़ाई और पुलिया वाले टर्न पर एक ट्रक को तेजी से ओवरटेक करना चाहा, तभी सामने से अपनी लेन में आ रहे मिनी ट्रक से बस को ठोंक दिया। ट्रक की रफ्तार कम थी, वर्ना बड़ा हादसा हो सकता था।

वर्ना ड्रायवर को चोट लगती

प्रत्यक्षदर्शी ढाबा संचालक अजय यादव ने बताया कि बस की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि ड्राइवर चाहते हुए भी गाड़ी अपनी लेन में नहीं ला सकता था। उसने ट्रक को टक्कर मारने से पहले स्टीयरिंग घुमा लिया, वर्ना ट्रक ड्राइवर को सीधे चोट लगती। साथ ही यात्रियों को भी गंभीर चोट आ सकती थी। हालांकि, ड्राइवर ने अपनी जान बचाने के लिए स्टीयरिंग मोड़ा था, लेकिन वह खुद ट्रक में घुस गया। उसका पैर बोनट में फंस गया। देखने पर लग रहा था कि उसका पैर काटना पड़ेगा। बड़ी मशक्कत बाद किस्मत से उसका पैर सुरक्षित निकाल लिया गया। उसे अस्पताल पहुंचाया है। ड्राइवर की जल्दबाजी लोगों की जान ले लेती।

किराए के कमरे में महिला से दुष्कर्म

● पीड़िता के पति का दोस्त उज्जैन से भगाकर लाया और इंदौर में रखा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एक महिला के शराबी पति के दोस्त ने पहले तो महिला से दोस्ती की और जब महिला ने बताया कि वह पति की शराब पीने की आदत से तंग है तो उसने उसे अपने झांसे में ले लिया। एक दिन महिला को वह भगाकर ले आया और इंदौर में किराए पर कमरा दिलवा दिया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में संबंध बनाता रहा। पीडित्ता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मामला हीरानगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक 24 साल की पीड़िता की रिपोर्ट पर मनीष पिता मुकेश सिरसिया निवासी हरफाटक उज्जैन के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मेरे पति का दोस्त मनीष जो मेरे पति के साथ घर पर आता था, जिससे मेरी पहचान हो गई थी । मेरा पति शराब पीकर आए दिन विवाद करता था, जिससे मैंने परेशान होकर मनीष को फोन लगाकर बुलाया और अपने साथ ले जाने के लिये कहा था । मनीष मुझे इंदौर ले आया, जहां गौरीनगर में किराये के मकान मे ले जाकर रखा था । जहां पर मनीष ने मेरी इच्छा के विरुद्ध जबरजस्ती मेरे साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाये थे। मैने विरोध किया तो मनीष ने मुझे जान से मारने की धमकी दी। पति की तरह वह भी आए दिन मुझे परेशान करते हुए मारपीट करने लगा। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी मनीष के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी को जलाने वाले को आजीवन कारावास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। चरित्र शंका में पत्नी को जलाने वाले पति को इंदौर के सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने हत्यारे पर अर्थदंड भी लगाया है।

जिला अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि हत्यारे पति का नाम अजय पुत्र अर्जुन खरे निवासी बेटमा है। 7 जुलाई 2018 को अजय की पत्नी लता को जली हालत में बेटमा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया था कि वह चूल्हे पर गिर गई है। हालत बिगडऩे पर उसे वहां से इंदौर के एमवाय अस्पताल रैफर कर दिया गया।

इलाज के दौरान पुलिस ने लता के बयान दर्ज किए। इसमें उसने बताया कि उसका पति अजय उसके चरित्र पर शंका करता है। इसी के चलते उसने उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। पुलिस ने बयान के आधार पर धारा 307 में प्रकरण दर्ज कर लिया। उपचार के दौरान लता की मृत्यु होने पर प्रकरण में हत्या की धारा बढ़ाई गई। शुक्रवार को इंदौर सत्र न्यायालय ने हत्यारे पति अजय को आजीवन कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

3 ड्रग पैडलर से ब्राउन शुगर जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खजराना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से करीब डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा कीमत की ब्राउन शुगर जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ड्रग पैडलर हैं। फिलहाल उनसे अन्य पैडलर्स के बारे में जानकारी निकाली जा रही है। टीआई दिनेश वर्मा के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि राहुल पुत्र अंबाराम गंगारे निवासी राम कृष्ण बाग कॉलोनी, तुषार पुत्र सुखीराम रायपुरिया निवासी राम कृष्ण बाग कॉलोनी और अजय पुत्र संतोष चौहान ब्राउन शुगर बेचते हैं। गुरुवार को जानकारी मिली कि तीनों माल लेकर खजराना चौराहे के पास से निकलने वाले हैं। यहां पाइंट लगाकर उन्हें पकड़ा गया। आरोपियों के पास से एक्टिवा की डिक्की में रखी करीब 8 ग्राम ब्राउन शुगर मिली है। आरोपी पहले खुद को मजदूर बता रहे थे। उन्होंने बताया कि पिछले कई माह से गाड़ी पर घूमते-फिरते वह डिलीवरी देते थे। पुलिस आरोपियों से ब्राउन शुगर खरीदने वालों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बदमाशों ने कार और लोडिंग गाड़ियां फोड़ी

ढाबली इलाके में जमकर मचाया उत्पात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूडिय़ा थाना क्षेत्र के ढाबली इलाके में कल बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया और लोगों के घरों के बाहर खड़ी गाडिय़ों में तोडफ़ोड़ कर धमकी देकर भाग निकले। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार रवि पिता आत्माराम सोलंकी निवासी ग्राम बेसरापुर बेरछा जिला शाजापुर हाल मुकाम ग्राम ढाबली की शिकायत पर क्षेत्र में रहने वाले आनन्द चौहान, प्रवीण, अंकित चौहान और एक अन्य पर केस दर्ज किया है। रवि ने पुसल को बताया कि आरोपियो ने मुझे दादागिरी करने की बात पर से अश्लील गालिया देने लगे। मैंने गाली देने से मना किया तो वे विवाद करने लगे। इस पर मैं डर के मारे अपने घर आ गया था फिर इन लोगो ने हमारे मौहल्ले मे रहने वाले सिद्दार्थ शर्मा की वेगेनार कार के सामने व पीछे के काँच फोड दिये एवं विष्णु सिरोलिया की लोडिंग रिक्सा एवं एक नई लोडिंग रिक्शा के सामने के काँच फोड दिये तथा धर्मेन्द्र राजपूत की स्विफ्ट डिजायर कार नम्बर के पीछे के काँच फोड दिये एवं आनन्द सतपाल की अल्टो कार के सभी काँच फोड दिये तथा महेश परमार की मेक्सिमा लोडिंग के काँच फोड दिये तथा मेरी मोटर साईकिल स्प्लेण्डर में भी तोडफोड कर नुकसान किया है व घऱ मे लगा मीटर मे भी इन लोगो ने तोडफोड की है। काफी देर तक आरोपी क्षेत्र में उत्पात मचाते रहे और बाद में लोगों को धमकाते हुए चले गए।

पिता ने बेटे को मारा चाकू

दोनों के बीच किश्तें भरने को लेकर हुआ था विवाद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। किश्तें भरने की बात को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया, जिसमें पिता ने चाकू से अपने बेटे पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना लसूडिय़ा थानांर्गत स्कीम नंबर 78 की है। पुलिस ने बताया कि अभिषेक शर्मा निवासी स्कीम नंबर 78 की शिकायत पर उसके पिता मुकेश शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। अभिषेक ने पुलिस को बताया कि वह पिताजी की लोन की किश्तें भरता है। कल वह क्षेत्र में ही स्थित उनकी चाय की दुकान पर पहुंचा और पिता से कहा कि मेरे पास पैसे नही है आप अपनी किस्त स्वयं जमा करो इसी बात पर मेरे पिता ने मुझे गांलियां दी। गाली देने से मना करने पर दुकान से एक धारदार नुकीला चाकू निकाला और मेरे पीछे कमर के ऊपरी हिस्से मे चाकू मारा जिससे मुझे खून निकलने लगा और मेरे पापा कहने लगे की तू ही मेरी बची हुयी किस्ते भरेगा यदि तूने नही भरी तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा। इस दौरान आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर मुझे बचाया।

युवक को कर दिया घायल

आजाद नगर इलाके में एक युवक पर चाकू पत्थर से हमला हुआ है । आरोपियों ने उसे मार मारकर लहूलुहान कर दिया । एक दिन पहले दोनों पक्षों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी। आजाद नगर पुलिस के अनुसार घायल युवक का नाम नीरज पिता गणेश निवासी मयूर नगर आजाद नगर है। वह पेशे से मैकेनिक है । उसने बताया कि उस पर गोलू और उसके साथियों ने हमला किया है। दरअसल एक दिन पहले गोलू और नीरज के बीच किसी बात पर कहासुनी हो गई थी । कल गोलू नीरज के पास आया और पत्थर चाकू और कड़े से हमला कर दिया । नीरज को गंभीर चोट आई है। उसका एमवाय में इलाज हुआ। आजाद नगर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

बेटे को पीटा, बचाने आई मां से भी मारपीट

इंदौर। मां बेटे पर कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया। मामला तिलक नगर थाना क्षेत्र के पिपलियाहाना का है। घायल युवक का नाम अमन पिता नरसिंह और उसकी मां रेखा है। अमन दूधिया में रहता है । वह गाड़ी चलाने का काम करता है। कल वह पिपलियाहाना में रहने वाली अपनी मां के घर आया था ,वह पंखा लेने पहुंचा था। वह घर के बाहर एक दुकान पर कुछ सामान लेने पहुंचा तभी उसकी कहासुनी सुनील, अनिल और उसके अन्य साथियों से हो गई थी। आरोपी अमन के साथ मारपीट करने लगे। अमन के साथ मारपीट का पता उसकी मां को लगा तो वह उसे बचाने पहुंची, तब आरोपियों ने अमन और उसकी मां रेखा दोनों को ही जमकर पीटा है। मामले में तिलक नगर पुलिस में शिकायत ली है।

राहगीरों को लूटने वाले नाबालिग पकड़ाए

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने नशा करने वाले दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया। आरोपितों ने ड्रग्स के लिए 15 लोगों को लूटना कुबूला है। आरोपितों ने पिछले दिनों बाणगंगा थाना क्षेत्र में अनुराग यादव को लूटा था। पूछताछ में बताया कि सुनसान जगह देखते ही युवक-युवतियों को लूट लेते थे। गिरोह में एक युवती भी शामिल है, जो नशा करती है। एक आरोपित लूटने के लिए स्कूटर किराए पर देता था।

कूनो में चीता को ट्रैक कर रही टीम से मारपीट

गांववालों ने डकैत समझकर घेरा, फायरिंग और गाड़ी में तोड़फोड़ की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शिवपुरी। कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता आशा की ट्रैकिंग में लगी टीम को ग्रामीणों ने डकैत समझकर पीट दिया। ग्रामीणों ने टीम को वहां से भगाने के लिए पहले फायरिंग की। जब वे नहीं भागे तो उन्हें घेरकर हमला कर दिया। कर्मचारियों से मारपीट की, साथ ही उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। ट्रैकिंग टीम की शिकायत पर पुलिस ने 15 अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना शिवपुरी के पोहरी थाना क्षेत्र के बूड़ाखेड़ा गांव की है।

दरअसल, कूनो नेशनल पार्क में लाई गई मादा चीता आशा लंबे समय से पार्क क्षेत्र से बाहर घूम रही है। उसकी निगरानी के लिए पार्क प्रबंधन ने एक टीम बनाई है जो 24 घंटे उसे ट्रैक करने में लगी हुई है। रात में उसकी लोकेशन बूड़ाखेड़ा गांव में मिली। इस पर टीम वहां पहुंची थी।

ट्रैकिंग टीम के सदस्य राजेश गोरख (48) ने बताया कि हमें मादा चीता आशा की लोकेशन बूड़ाखेड़ा गांव के तालाब के पास मिली थी। गुरुवार रात एक बजे हम ट्रैकिंग डिवाइस से उसे ट्रैक करते हुए तालाब किनारे पहुंचे थे। सारी रात मादा चीता आशा तालाब किनारे ही बैठी रही। इसी कारण मैं और मेरी टीम के सदस्य चीता से 500 मीटर की दूरी बना कर बैठ गए।

रात 3 बजे के बाद आंधी-पानी शुरू हो गया, इस कारण मैं, पवन अग्रवाल, ट्रैकर विकेश गुर्जर और ड्राइवर हुकुन यादव गाड़ी में आकर बैठ गए। कुछ समय बीतने के बाद हम मादा चीता की लोकेशन चेक करने के लिए गाड़ी से नीचे उतरे। हम डिवाइस के जरिए लोकेशन चेक करने में जुट गए।

अचानक हवाई फायर हुआ, ग्रामीणों ने हमें घेर लिया

सुबह करीब 4 बजे एक हवाई फायर की आवाज सुनाई दी। हम कुछ समझ पाते इससे पहले ही 10 से 15 टॉर्च की रोशनी हमें दिखाई दीं। पलक झपकते ही 10 से 15 लोग हमारी गाड़ी के पास पहुंच गए और हमें घेर लिया। हमने ट्रैकिंग डिवाइस दिखाकर ग्रामीणों को बताया की हम मादा चीता की ट्रैकिंग के लिए आए हैं। उनसे कहा कि चीता की लोकेशन पास में ही मिली थी, इसी कारण यहां रुके हुए हैं। हालांकि ग्रामीणों ने हमारी एक नहीं सुनी और हमला बोल दिया। ट्रैकिंग टीम के 3 सदस्यों के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं सरकारी जीप में भी तोड़फोड़ की गई।

तेज धूप में मासूम बच्चों के साथ बैठी महिलाएं

● भोपाल में नियुक्ति की मांग को लेकर चयनित शिक्षकों की भूख हड़ताल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। कोई अपने बच्चे को चिलचिलाती धूप में शेड के नीचे सुलाने की कोशिश करता है, तो कोई रात भर सिर्फ इसलिए हवा करता रहता है कि उसे मच्छर ना काटें। कुछ इस तरह का नजारा इन दिनों लोक शिक्षण संचालनालय के बाहर दिखाई दे रहा है। बात कर रहे हैं नियुक्ति की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे चयनित शिक्षकों की। जो करीब पिछले पांच दिन से लोक शिक्षण संचालनालय के बाहर तेज गर्मी में भूख हड़ताल कर रहे हैं।

नियुक्ति की मांग को लेकर चयनित शिक्षकों में आक्रोश और बढ़ गया है। इससे पहले 11 दिन से नियुक्ति देने की मांग को लेकर यह शिक्षक लगातार आंदोलन कर रहे थे। इसमें कई जिलों के चयनित शिक्षकों में में ईडब्ल्यूएस कैटेगरी, ओबीसी कैटेगिरी समेत सभी कैटेगिरी के चयनित शिक्षक शामिल हैं। संयोजक रक्षा जैन ने बताया कि अगर न्याय नहीं हुआ, तो आंदोलन जारी रहेगा।

1 से 3 साल के बच्चे भी शामिल

सीहोर से आई कोमल कुशवाह ने बताया कि वह एक-एक साल के दोनों जुड़वां बच्चों को लेकर आई हैं। उन्होंने बताया कि रात में यहां दिक्कत होती है। एक तरफ मच्छर काटते हैं, तो दूसरी तरफ दिन की धूप भी परेशान करती है। फिर भी हम डटे रहेंगे। हम न्याय मांग रहे हैं। इंदौर से आई ऐश्वर्या शर्मा जो कि दो साल की बेटी के साथ पिछले पांच दिनों से बैठी हैं। उन्होंने बताया कि हमें बस न्याय चाहिए। हमारे बच्चे दिन भर धूप में बैठे रहते हैं। हम हड़ताल आगे भी जारी रखेंगे। संयोजक रक्षा जैन ने बताया कि हमारी मांग है कि 2018 शिक्षक भर्ती को तृतीय काउंसिलिंग के साथ पूर्ण किया जाए।

अमेरिका में थे दूल्हा-दुल्हन, पंडित ने करवाई आनलाइन शादी

दक्षिणा में मिले 4.20 लाख रुपए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सिवनी। अब सब कुछ ऑनलाइन हो रहा है, तो शादी क्यों नहीं. मध्य प्रदेश के सिवनी में बैठे-बैठे पंडितजी ने अमेरिका में दूल्हा-दुल्हन की ऑनलाइन शादी करा दी और नई मिसाल कायम कर दी. ये अनोखी शादी 21 मई को हुई. इस शादी में दूल्हा-दुल्हन और उनके परिवार के लोग अमेरिका से ऑनलाइन जुड़े और सिवनी के पंडितजी ने सिवनी से मंत्र पढ़कर उनका ब्याह रचा दिया. इस दौरान दूल्हा-दुल्हन ने पंडितजी के बताए सभी संस्कारों और रस्मों को ऑनलाइन ही पूरा किया. ये शादी हिंदू रीति रिवाज से धूमधाम से हुई. सिवनी के रहने वाले देवांश उपाध्याय अमेरिका में नौकरी करते हैं, इसी दौरान उनकी मुलाकात पुणे की सुप्रिया से हुई जो अमेरिका में ही नौकरी करती हैं. दोनों ने शादी करने का फैसला किया, इसके बाद देवांश के परिजनों ने सिवनी के पंडित राजेंद्र पांडे से मिलकर शादी की तारीख तय कराई और अमेरिका रवाना होने से पहले उन्होंने पंडितजी से ऑनलाइन जुड़कर शादी कराने की बात कही. फिर 21 मई को पंडित जी ने ऑनलाइन जुड़कर देवांश और सुप्रिया की शादी करा दी. इस विवाह संस्कार को पूरा करने के लिए पंडित जी को करीब 4 लाख 20 हजार रुपये दक्षिणा में दिये गये।

खौफनाक - युवक को कुल्हाड़ी से काटा, कई टुकड़े किए

सीहोर। कोतवाली क्षेत्र में कुल्हाड़ी मारकर युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने युवक के शरीर के कई टुकड़े किए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात शुक्रवार को कब्रला पुल के पास ईंट भट्?टे की है। मोतीबाबा मंदिर रोड पर रहने वाले सूरज सिंह कुशवाह पिता बिहारी लाल ईंट खरीदने कर्बला पुल के पास भट्टे पर गया था। बताया जाता है कि जैसे ही, वह ईंट भट्टे के पास पहुंचा, सामने से आरोपी सुरेंद्र पिता गोविंद कुशवाह ने कुल्हाड़ी से उसके गले पर इतनी जोर से वार किया कि सिर धड़ से अलग हो गया। आरोपी के सिर पर इस कदर खून सवार था कि उसने शरीर पर कई वार किए। इससे शरीर के कई टुकड़े हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। यहां से आरोपी को कुल्हाड़ी समेत गिरफ्तार कर लिया है।

दुर्घटना में मां की मौत, बेटा घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। नागझिरी क्षेत्र में देवास रोड पर कल्पतरु एवेन्यू कॉलोनी के सामने शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे में डंपर चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई जबकि उसका बेटा घायल हो गया।

नागझिरी थाना पुलिस ने बताया कि ढाबला रेहवारी निवासी मृतिका शांतिबाई पति लालूजी उम्र 45 वर्ष अपने 19 वर्षीय बेटे उमेश के साथ उसके ससुराल सेमलिया में गांव में माता पूजन में शामिल होने जा रही थी। रास्ते में कल्पतरु के पास पीछे से आ रहे एक अज्ञात डंपर ने मां बेटे को टक्कर मार दी। दुर्घटना में शांतिबाई डंपर की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी लगते ही नागझिरी थाना पुलिस घटना स्थल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

ट्रैफिक जवान के गले पर फटा आंसू गैस ग्रेनेड

● पुलिस की बलवा ड्रिल के दौरान हुआ हादसा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। ग्वालियर में चुनाव से पहले ही पुलिस ने अपनी तैयारियों को शुरू कर दिया है। शुक्रवार की सुबह पुलिस बलवा होने की स्थिति में उसे कैसे काबू करती है, इसकी तैयारियों के लिए बलवा ड्रिल का आयोजन पुलिस लाइन में किया गया, जिसमें एक जवान आंसू गैस का ग्रेनेड फटने से घायल हो गया। घायल जवान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। इस दौरान एएसपी ऋषीकेश मीणा, गजेन्द्र सिंह वर्धन, जयराज कुबेर सहित सभी अफसर और थाना प्रभारी मौजूद थे।

कंधे पर गिरा ग्रेनेड

बलवा ड्रिल के दौरान दो पार्टी तैयार की गई थीं। जिसमें एक पार्टी बलवा करने वाली बनी और दूसरी पार्टी पुलिस टीम की थी, इस दौरान बलवाईयों को काबू करने के लिए पुलिस पार्टी ने आंश्रू गैस ग्रेनेड का इस्तेमाल किया तो ग्रेनेड ट्रैफिक जवान जन्मेजय के कंधे पर आकर फटा, जिससे उनके गर्दन के नीचे का हिस्सा घायल हो गया और खून निकलने लगा। तुरंत ही जवान को एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है।

ग्रामीणों ने तेंदुए को पीट-पीटकर मार डाला

युवक पर किया था हमला; ग्रामीणों ने पत्थर, लाठी, डंडों से ले ली जान

खरगोन। प्रदेश के दो अलग-अलग गांवों में शुक्रवार को तेंदुओं के घुसने की घटनाएं सामने आईं। पहला मामला खरगोन का है, जहां चिरिया वन रेंज में ग्रामीणों ने एक तेंदुए को पीट-पीटकर मार डाला। दूसरी घटना सीहोर के मोया पानी गांव की है, जहां तेंदुए के हमले से पुलिसकर्मी समेत 5 ग्रामीण घायल हो गए।

खरगोन जिले की चिरिया वन रेंज में शुक्रवार को एक तेंदुए को ग्रामीणों ने पीट-पीटकर मार डाला। घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे की है। इस तेंदुए ने एक युवक पर हमला कर दिया था। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने उसे घेरकर पत्थर, लाठी और डंडों से हमला कर दिया।

डीएफओ प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि घटना झिरन्या थाना क्षेत्र के नान कोड़ी और चैनपुर के बीच जंगल की है। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि किसी काम से जंगल गए स्थानीय ग्रामीण उमेश डावर पर इस तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया था। उसके घायल होने की बात से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और तेंदुए को घेर लिया।

तेंदुए के मुंह और शरीर पर मिला खून

डीएफओ सिंह ने कहा, 'मौके पर डॉग स्क्वायड को भेजकर जांच कराई गई है। पोस्टमॉर्टम के बाद तेंदुए की मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके मुंह और शरीर पर अन्य जगह खून लगा मिला है। मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे।'

मादा तेंदुआ थी, उम्र करीब एक साल

चैनपुर वन क्षेत्र के डिप्टी रेंजर पप्पू महाजन ने कहा कि सूचना मिलने के बाद शुक्रवार सुबह करीब 7.30 बजे वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। तेंदुआ मादा है और उसकी उम्र करीब एक साल है। वहीं, घायल ग्रामीण उमेश डावर ने तेंदुए द्वारा खुद पर हमला किए जाने की पुष्टि की है।

सीहोर में तेंदुए का हमला, पुलिसकर्मी समेत 5 घायल

सीहोर जिले के मोया पानी गांव में भी शुक्रवार को तेंदुआ घुस आया। उसने हमला कर पुलिसकर्मी समेत 5 ग्रामीणों को घायल कर दिया। वन विभाग की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गांव में तेंदुए के घुसने की जानकारी मिलते ही लोगों ने खुद को घरों में कैद कर लिया।

6 से ज्यादा मवेशी भी घायल

जानकारी के अनुसार, इछावर थाना क्षेत्र के मोया पानी गांव में सुबह करीब 9 बजे एक तेंदुआ नजर आया। उसको देखकर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इसी बीच तेंदुए ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। 6 से ज्यादा मवेशियों पर भी झपटा। करीब एक घंटे बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डीएफओ एमएस डावर ने बताया कि तेंदुए के रेस्क्यू के लिए टीम जुटी हुई है। हमले में पठान सिंह (32) बारेला पिता धूलसिंह, सविता बाई (10) पुत्री रेमलाल और शेखर बारेला समेत 5 लोग घायल हैं।

संपादकीय

संशय में रहना अच्छा नहीं

रिजर्व बैंक अभी इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है कि खुदरा महंगाई की दर कब तक पांच फीसद के नीचे बनी रहेगी। जबकि शक्तिकांत दास का कहना है कि अगली तिमाही में भी महंगाई की दर में कुछ कमी दर्ज होगी। यहां तक कि आर्थिक विकास दर बढ़ने को लेकर भी आश्वस्त नजर आते हैं। मगर महंगाई को लेकर वे किसी प्रकार का जोखिम मोल नहीं लेना चाहते। रिजर्व बैंक का इस तरह आर्थिक नीतियों को लेकर संशय में रहना अच्छा नहीं माना जा सकता। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि ब्याज दरों में वृद्धि को रोकना उनके हाथ में नहीं है। परिस्थितियों के अनुसार उन्हें फैसला करना पड़ता है। हालांकि ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने से महंगाई पर काबू पाने में काफी मदद मिली है। उपभोक्ता सूचकांक आधारित महंगाई पिछले महीने 4.7 फीसद दर्ज की गई। रिजर्व बैंक का लक्ष्य था कि खुदरा महंगाई को छह फीसद के नीचे लाया जाए। इसमें उसे कामयाबी मिली है। पिछले एक साल में रिजर्व बैंक अलग-अलग चरणों में रेपो दरों में ढाई फीसद की बढ़ोतरी कर चुका है। इसलिए जब पिछले महीने महंगाई काबू में आती दिखी तो उसने रेपो दरों को यथावत रखा। अब उद्योग परिसंघ का दबाव है कि रेपो दरों में कटौती की जाए। दरअसल, रेपों दरें ऊंची होने से कारोबारियों को बैंकों से लिए जाने वाले कर्ज पर अधिक ब्याज चुकाना पड़ता है, जिसका असर वस्तुओं की उत्पादन लागत पर पड़ता है। मगर जाहिर है, वैश्विक स्थितियों को देखते हुए रिजर्व बैंक के लिए रेपो दरों में कटौती जैसा कदम उठाना जोखिम भरा काम लगता है। अमेरिकी फेडरल ने अपने यहां ब्याज दरें ऊंची कर दीं, तो दुनिया भर के वित्तीय बाजारों से निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। इसलिए कि दूसरे देशों की अपेक्षा वहां उन्हें अधिक ब्याज मिलने लगा था।

चिंतन और संवाद

दयानंद सरस्वती कहते है...!

ऋषि का ऋषित्व देखो.., मैं जो कहता हूं, उसे भी परखों, जानो और फिर मानों। “क्योंकि सांच को आंच नहीं”। अद्भुत

आँखे मत मूंदो:-

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं यह नहीं चाहता हूँ कि जो कुछ मैं कहूँ आप उस पर आँखे मीचकर चलने लगें।

आप उस पर विचार करें, उसे जाँचे और परखें, यदि वह आपको सत्य जान पड़े तो उस पर चलें और यदि वह असत्य जान पड़े तो उस पर कोई ध्यान न दें।

अन्धविश्वास ही हमारे नाश का मूल है। और संस्कृत पुस्तकों में ज्ञान का बृहत् कोष भरा हुआ है।

उन्हें पढ़ो और देखो कि उनमें क्या है। ऐसा मत कहो कि कोई बात केवल इसलिए माननीय वा त्याज्य है क्योंकि दयानन्द सरस्वती ऐसा कहते हैं।

(स्वामी दयानन्द चरित्. बाबू. देवेंद्र. मुख्योपाध्याय.प्र.२००६ गोविंदराम...पृ. ४०१)

बाल दिवस

तेनाली रामा और स्वर्ग की खोज

बहुत समय पहले की बात है। विजयनगर नाम का राज्य था। वहां के राजा थे कृष्णदेव राय। वह हमेशा अपनी प्रजा और राज्य के सुख व शांति के लिए काम करते रहते थे। उनके राज्य में तेनालीराम नाम का एक कवि भी था, जो बेहद ही चतुर और बुद्धिमान था। इसी कारण राजा बिना उसकी सलाह के कोई भी काम नहीं करते थे। यही बात राज्य के सभी दरबारियों को बहुत खटकती थी और वो मौका ढूंढते रहते थे कि कब उन्हें तेनालीराम को नीचा दिखाने का मौका मिले।

एक दिन राजा ने सभी मंत्रियों और दरबारियों को राज्यसभा में हाजिर होने को कहा। उन्होंने सभी को संदेश भिजवाया कि उन्हें किसी सवाल का जवाब चाहिए, जिसका उत्तर जानने के लिए वह बहुत उत्सुक हैं। राजा के संदेश पर अगले दिन सभी दरबारी और मंत्रीगण राज्यसभा में उपस्थित हो गए।

सभी जानने के लिए बेताब थे कि आखिर राजा किस सवाल का उत्तर जानना चाहते हैं। तभी राजा ने सभी लोगों का राज्यसभा में स्वागत करते हुए कहा, “बचपन में मैंने एक जगह का नाम सुना था, जिसे दुनिया में सबसे सुन्दर माना जाता है। वह है स्वर्ग। मैं उस जगह को देखना चाहता हूं। क्या आपमें से कोई जानता है कि स्वर्ग कहां है?”

राजा की यह बात सुनकर सभी हैरान थे और आपस में बात करने लगे कि राजा को कैसे बताएं कि स्वर्ग नाम की कोई जगह ही नहीं है। ऐसे में सभी ने तेनालीराम को नीचा दिखने के लिए आगे किया और कहा महाराज तेनाली ही है, जिसे स्वर्ग का मार्ग पता हो सकता है। आप उसी से पूछिए।

सभी के मुंह से एक ही जवाब सुनते ही राजा ने तेनाली से पूछा, “क्यों तेनालीराम तुम जानते हो स्वर्ग कहां है?”

तेनालीराम बोला, “जी महाराज, मुझे मालूम है स्वर्ग कहां हैं, लेकिन आपको वहां ले जाने के लिए मुझे दो महीने का समय और करीब दस हजार सोने के सिक्के चाहिए होंगे।”

तेनालीराम की बात सुनकर राजा तैयार हो जाते हैं। वह कहते हैं, “तेनाली मैं तुम्हें समय और सोने के सिक्के दोनों ही देता हूं, लेकिन दो महीने पूरे होने के बाद तुम्हें मुझे स्वर्ग ले चलना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो तुम्हें दंड दिया जाएगा।

राजा के यह बात सुनकर सभी दरबारी मन ही मन मुस्काए और सोचने लगे कि स्वर्ग तो है ही। ऐसे में तेनालीराम को दंड तो भुगतना ही होगा, लेकिन तेनालीराम के चेहरे पर तनिक भी शिकन नहीं थी। उसने राजा से 10 हजार सोने के सिक्के लिए और वहां से बाहर की ओर चल दिया।

धीरे-धीरे समय बीतने लगा और दो महीने भी निकल गए, लेकिन तेनाली रामा का कोई अता-पता नहीं था। राज दरबार में बातें होने लगी कि तेनाली 10 हजार सोने के सिक्के लेकर भाग गया। यह बातें जब राजा के कान तक पहुंची, तो वह तेनाली रामा पर बहुत गुस्सा हुए। उन्होंने अपने सिपाहियों को आदेश दिया कि वो किसी भी हाल में तेनाली को ढूंढ कर लाएं।

सिपाहे तेनालीराम की खोज में निकल ही रहे थे कि तेनाली राजदरबार में खुद ही हाजिर हो गए। राजा ने गुस्से से पूछा, “कहां थे इतने दिनों से।”

तेनालीराम बोला, “महाराज मैं स्वर्ग की खोज में गया था।”

राजा ने कहा. “मिला स्वर्ग?”

तेनाली बोला, “जी महाराज मुझे मिल गया स्वर्ग। मैं कल आपको वहां ले चलूंगा।”

तेनाली की यह बात सुनकर राजा का क्रोध शांत हुआ। अगले दिन राजा सभी दरबारियों के साथ तेनाली को लेकर स्वर्ग देखने के लिए निकल पड़े। तेनाली राम उन्हें दूर जंगलों के बीच ले गया और वहां कुछ समय आराम के बाद आगे की यात्रा करने की बात कही। चलते-चलते सभी पूरी तरह थक चुके थे, इसलिए राजा के साथ-साथ सभी ने तेनाली की यह सलाह मान ली।

वह जंगल बहुत ही सुंदर और मनमोहक था। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। चारों ओर हरे-भरे पेड़ थे, जिन पर रंग-बिरंगे फूल और फल लदे हुए थे। राजा ने कुछ देर वहां विश्राम किया और अनुभव किया कि जिस तरह के वातावरण की कामना वह स्वर्ग के लिए कर रहे थे, वहीं माहौल इस जंगल में उन्हें महसूस हो रहा था, लेकिन एक मंत्री ने राजा को स्वर्ग जाने की बात याद दिलाई।

स्वर्ग जाने की बात याद आते ही राजा ने तेनाली राम से चलने को कहा। तेनाली ने कहा, “महाराज मैं आगे चलने से पूर्व आपसे कुछ कहना चाहता हूं।”

राजा बोले, “कहो तेनाली क्या कहना चाहते हो।”

तेनाली के कहा, “महाराज यह जगह आपको बिल्कुल वैसी ही नहीं लगा रही। जैसा आप स्वर्ग के बारे में अनुभव कर रहे थे।”

राजा ने कहा, “हां, इस बात में तो बिल्कुल भी शक नहीं कि यहां का वातावरण बहुत ही शांत और मन को प्रसन्न कर देने वाला है, जैसा मैंने स्वर्ग के बारे में सोचा था।”

राजा की यह बात सुनते ही तेनाली बोला कि महाराज जब ईश्वर ने धरती पर स्वर्ग जैसा अनुभव कराने वाली जगह बनाई है, तो उस स्वर्ग की क्या कामना करना, जिसका वाकई में कोई अस्तित्व ही नहीं है।

राजा को तेनाली की बात समझ में आ जाती है। राजा कहते हैं, “तेनाली तुम बिल्कुल ठीक कह रहे हो, लेकिन उन सोने के सिक्कों का क्या जो मैंने तुम्हे दिए थे?”

तेनालीराम ने कहा, “महाराज मैंने उन सिक्कों से यहां मौजूद सभी पेड़-पौधों के लिए खाद वगैरह खरीदे है, ताकि जिस स्वर्ग को आप देखने के लिए अपने राज्य को छोड़कर इतनी दूर आए हैं, उस स्वर्ग को अपने ही राज्य में जगह दी जा सके।”

तेनाली की यह बात सुनकर राजा खुश हो जाते हैं और राज्य लौटकर तेनालीराम को उसकी बुद्धिमानी के लिए इनाम देते हैं।

कहानी से सीख

तेनाली रामा और स्वर्ग की खोज कहानी से सीख मिलती है कि बुद्धि से अगर काम लिया जाए, तो कोई भी काम असंभव नहीं होता। बस जरूरत होती है सही दिशा में सोचने की।

Highlights

1. Deepika Padukone's 82E launches new sunscreen gel, Licorice Beam
2. List of 24 Congress MLAs to be inducted in K'taka Cabinet tomorrow released
3. Heavy rainfall & thunderstorm disrupt flight operations at Delhi Airport
4. Google removes 'slavery' gaming app that let users 'buy & sell' Black characters
5. Bill introduced to declare Diwali a federal holiday in US
6. Man who opened plane door mid-air 'wanted to get off quickly': South Korean police

On viral 'fungus in Lassi' video, Amul says 'creating unnecessary fear'

NEW DEIHI, (Agency). The Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation (GCMMF), which sells its dairy products under the popular brand name 'Amul', on Thursday issued a statement over a video of its lassi packets claimed to be contaminated. The viral clip, which is doing rounds on social media shows the packet tainted with fungus before its expiry date. In the purported video, a coating of green fungus could be seen when the packet was opened.

The person behind the camera claimed that he discovered the lassi was contaminated after he drank it and tasted awful.

However, the dairy brand called the video "fake" and said it was "being used to create misinformation" about Amul products. It highlighted that the packets displayed in the video have liquid leaking and damage near the straw hole area. Amul added that the fungus growth observed in these packs was a direct result of the damage shown in the video, and it is likely that the video's producer is aware of this.

"This is for your kind information that a fake message is being forwarded on Whatsapp and Social Media platforms regarding inferior quality of Amul Lassi. The creator of the video has not contacted us for clarification, nor the location has been disclosed," the dairy company said in a statement.

"We wish to assure you that Amul Lassi is made at our state-of-the-art dairies and undergo strict quality checks for product quality and integrity of packaging. As standard practice, we mention on all our packs the following declaration for the safety of our customers, "DO NOT BUY PUFFED/LEAKY PACK."

They further said: "This video has been used to create misinformation and spread unnecessary fearn and cocern among our consumers. We request you to kindly share this message with your family and friends and assure them about the goodness of Amul lassi."

Leave encashment tax-free till 25 lakh for private sector employees upon retirement

NEW DEIHI, (Agency). In line with the Budget announcement, the finance ministry on Thursday hiked the tax exemption limit for leave encashment upon retirement for private sector salaried employees to ₹25 lakh.

So far, the tax exemption on leave encashment for non-government employees was ₹3 lakh which was fixed in 2002, when the highest basic pay in the government was ₹30,000 per month.

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), in a statement, said the aggregate amount exempt from income tax under section 10(10AA)(ii) shall not exceed the limit of ₹25 lakh, where any such payments are received by a non-government employee from more than one employer.

The increased limit for tax exemption on leave encashment on retirement or otherwise of non-government salaried employees to ₹25 lakh with effect from April 1, 2023.

"In pursuance to the proposal in the Budget speech, 2023,... the central government has notified the increased limit for tax exemption on leave encashment on retirement or otherwise of non-government salaried employees to ₹25 lakh w.e.f. 01.04.2023," the CBDT said.

In 2023-24 Budget, finance minister Nirmala Sitharaman had increased the tax exemption on leave encashment on retirement of non-government salaried employees to ₹25 lakh, from ₹3 lakh.

Uttarakhand

चार धाम यात्रा पर फिर पड़ी मौसम की मार, केदारनाथ रजिस्ट्रेशन पर लगी रोक

देहरादून, (एजेंसी) उत्तराखंड चार धाम यात्रा 2023 पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। तीर्थ यात्रियों को चार धाम दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ेगा। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी सहित देश के अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को दर्शन को थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। केदारनाथ में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए शनिवार 27 मई तक नए पंजीकरणों पर रोक लगा दी गई है। धाम के लिए 31 मई तक रोजाना 22 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पहले ही पंजीकरण करा लिया है। चार धाम यात्रा पंजीकरण नोडल अफसर योगेश गंगवार ने बताया कि, केदारनाथ के लिए नए पंजीकरणों पर 25 मई तक रोक लगाई गई थी। अब इस रोक को 27 मई तक के लिए बढ़ाया गया है। चारों धामों में अब तक 15 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। सबसे ज्यादा 5 लाख श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचे हैं।

● हेमकुंड यात्रा दूसरे दिन भी बंद

हेमकुंड और अटलाकोटी के बीच बर्फबारी के कारण रास्ता बंद हो जाने से यात्रा दूसरे दिन भी बंद रही। मौसम साफ रहा तो आज से यात्रा शुरू हो सकती है। गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्र जीत सिंह बिन्द्रा ने बताया कि, शुक्रवार को मौसम साफ होने के बाद ट्रस्ट ने मजदूरों और सेवादारों की मदद से पैदल मार्ग से बर्फ हटा दी है। शनिवार को मौसम साफ रहा तो तीर्थ यात्रियों को हेमकुंड की यात्रा की अनुमति दी जायेगी।

Punjab

चंडीगढ़ : पुलिस की नाक के नीचे से चोरी हो गई थी पीतल की तोप, 20 दिन बाद भी नहीं मिला सुराग

चंडीगढ़, (एजेंसी) चंडीगढ़ के सबसे पॉश या फिर कहें कि वीवीआईपी इलाके में मौजूद है पंजाब आर्म्ड पुलिस का मुख्यालय. जिसकी शान बढ़ाने के लिए वहां एक हेरिटेज श्रेणी की तोप रखी गई थी. उसी तोप को पुलिस की नाक के नीचे से अज्ञात शातिर चोरों ने चुरा लिया है. चोरी के 20 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस उस तोप का पता नहीं लगा पाई है.

चोरी की ये सनसनीखेज वारदात चंडीगढ़ के सेक्टर 1 की है. जहां पंजाब सशस्त्र पुलिस की 18वीं बटालियन का मुख्यालय है. वहां पुलिस के आला अधिकारी और तमाम पुलिसकर्मी आते जाते रहते हैं. परिसर के मुख्य द्वार पर दो संतरी पोस्ट भी हैं. जहां 24 घंटे दिन रात हथियार बंद संतरी तैनात रहते हैं. अंदर बटालियन के हजारों पुलिसकर्मी होते हैं. ऐसे में जीओ मेस के ठीक सामने से 300 किलो वजन की हेरिटेज तोप का चोरी हो जाना पुलिस पर कई सवाल खड़े करता है. अब इस मामले में पुलिस विभाग खामोश है. पुलिस के अधिकारी भी इस बारे में बात करने को तैयार नहीं हैं. हालांकि बटालियन मुख्यालय के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है. इस मामले की जांच पड़ताल भी तेजी से चल रही है. वारदात के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया था. इससे पहले शातिर चोरों ने 5 और 6 मई की दरम्यानी रात पीतल की तोप को चोरी कर लिया था. ये घटना ठीक पंजाब और हरियाणा सचिवालय के पीछे जीओ मेस की है. चोरी के पांच दिन बाद 82 बटालियन के कमांडेंट बलविंदर सिंह को इस घटना की जानकारी मिली थी. इसी के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज किया था.

Uttarpradesh

पीड़ित का वीडियो बना रहा था मीडिया कर्मी, माइक छीनकर इंस्पेक्टर करने लगे 'रिपोर्टिंग'

कानपुर, (एजेंसी) पीड़ितों से बातचीत या वीडियो बनाने के दौरान अक्सर पुलिसकर्मियों से मीडिया कर्मियों की कहासुनी की खबरें सुनने और देखने को मिल जाती हैं, लेकिन यूपी के कानपुर देहात में भी कुछ इसी तरह का नजारा देखने को मिला है। रसूलाबाद थाने पर शिकायत करने पहुंचे मारपीट के शिकार एक फरियादी की शिकायत पुलिस ने नहीं सुनी तो मीडिया कर्मी पीड़ित से बातचीत करने लगा। मीडिया कर्मियों ने पीड़ित के बातचीत का वीडियो बनाना चाहा, लेकिन इस बीच इंस्पेक्टर मौके पर आ गए और मीडिया कर्मियों से उलझने लगे। एक मीडिया कर्मी से इंस्पेक्टर ने उनका माइक तक छीन लिया और फिर खुद ही रिपोर्टिंग वाले अंदाज में माइक पकड़कर पत्रकार की तरह बात करने लगे। इंस्पेक्टर ने मीडियाकर्मियों को बताया कि शिकायतकर्ता नशे का आदी है। हर तीसरे दिन यहां पर तमाशा लेकर आ जाता है। केशवनगर रसूलाबाद निवासी सुरेन्द्र सिंह गुरुवार को उसके व उसकी पत्नी सोनी के साथ मारपीट की शिकायत लेकर थाने पहुंचा था।

Chhattisgarh

स्निफर डॉग ने झपट्टा मारकर 11 साल के मासूम के कातिल को पकड़ा, चचेरी बहन ने की थी हत्या

रायगढ़, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में नाबालिग की हत्या के मामले का खुलासा स्निफर डॉग ने झपट्टा मारकर कर दिया. उसने 11 साल के मासूम की कातिल चचेरी बहन को एक झटके में गिरफ्तार कर लिया. पुलिस पूछताछ में उसने चौंकाने वाला खुलासा किया. मृतक प्रीतम और उसका परिवार ऊषा को चोरनी-चोरनी कह कर चिढ़ाते थे. इससे गुस्साई चचेरी बहन ऊषा ने मौका देखकर प्रीतम के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया. अपने 11 साल के चचेरे भाई की हत्या करके उसने लाश को स्कूल के अंदर फेंक दिया था.

पुलिस ने आरोपी लड़की को गिरफ्तार कर लिया है. हैरान कर देने वाली बात यह रही कि इस वारदात में लड़की को पकड़ने में पुलिस के स्निफर डॉग रूबी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. रूबी ने मौके पर मिले सबूतों को सूंघकर सबसे पहले चचेरी बहन ऊषा चौहान पर झपट्टा मारा था. इसके बाद पुलिस ने उषा को गिरफ्त में लेकर सख्ती से पूछताछ की. तब हत्या का सारा राज खुलकर सामने आ गया.

खेल

गुजरात ने पांच बार की चैंपियन मुंबई को किया बाहर

फाइनल में धोनी की चेन्नई से मुकाबला

चेन्नई। हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने लगातार दूसरे सीजन में कमाल कर दिखाया है। गत चैंपियन गुजरात ने पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंय को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। हार्दिक की टीम ने पिछली बार राजस्थान रॉयल्स को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस बार फाइनल में उसके सामने चार बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स होगी।

हार्दिक को ट्रॉफी उठाने के लिए गुरु महेंद्र सिंह धोनी को शिकस्त देनी होगी। गुजरात ने अहमदाबाद के अपने होमग्राउंड नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई को हराया। इसी मैदान पर अब वह रविवार (28 मई) को फाइनल मैच में चेन्नई के खिलाफ उतरेगी। गुजरात को एक बार फिर से अपने समर्थकों के बीच खेलने का मौका मिलेगा। ऐसे में धोनी की टीम पर काफी दबाव होगा।

चेन्नई 10वीं बार फाइनल में खेलेगी। गुजरात की टीम फाइनल में चेन्नई से बदला लेने भी उतरेगी। महेंद्र सिंह धोनी की टीम ने हार्दिक पांड्या की टीम को क्वालिफायर-1 में हरा दिया था। बारिश के कारण टॉस 45 मिनट की देरी से हुआ। रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गुजरात ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 233 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 18.2 ओवर में 171 रन पर सिमट गई।

मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और कैमरन ग्रीन ही दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। सूर्यकुमार ने 38 गेंद पर सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। उन्होंने सात चौके और दो छक्के लगाए। तिलक वर्मा ने 14 गेंद पर 43 रन बनाए। वहीं, कैमरन ग्रीन ने 20 गेंद पर 30 रन का योगदान दिया। मुंबई के आठ खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए।

ईशान किशन के चोटिल होने के कारण नेहाल वधेरा ने रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। वधेरा चार और रोहित शर्मा आठ रन बनाकर मोहम्मद शमी का शिकार बने। किशन की जगह कनक्शन सब्सीट्यूट के रूप में आए विष्णु विनोद पांच और विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कुमार कार्तिकेय ने छह, जेसन बेहरेनडॉर्फ ने नाबाद तीन और क्रिस जॉर्डन ने दो रन बनाए। पीयूष चावला खाता नहीं खोल पाए।

गुजरात के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। मोहम्मद शमी ने अपने शुरुआती दो ओवरों में रोहित और नेहाल को आउट कर गुजरात को बड़ी सफलता दिलाई। उनके बाद मोहित शर्मा ने पांच विकेट लेकर मुंबई की टीम को ढेर कर दिया। राशिद खान को दो और जोशुआ लिटिल को एक सफलता मिली।

सिनेमा

'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के मेकर्स को कोलकाता पुलिस ने भेजा नोटिस, ट्रेलर में बंगाल के हालात को बताया था 'कश्मीर से बदतर'

'द केरल स्टोरी' के बाद अब पश्चिम बंगाल में एक और फिल्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के डायरेक्टर और मेकर्स को कोलकाता पुलिस ने नोटिस भेजा है. कथित रूप से, इससे पहले फिल्म के खिलाफ एक FIR दर्ज हुई थी. बताया जा रहा है कि इस मामले में आगे पूछताछ करने के लिए कोलकाता पुलिस ने मेकर्स को, 30 मई को एमहर्स्ट पुलिस स्टेशन में हाजिर होने के लिए कहा है. 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' का ट्रेलर 7 अप्रैल को रिलीज किया गया था. ट्रेलर में दावा किया गया था कि बंगाल के हालात 'कश्मीर से भी बदतर' हैं. ट्रेलर में दिखाई गई कहानी में यह भी दावा था कि बंगाल में हिंदुओं के साथ 'नरसंहार' और 'मास रेप' की घटनाएं हो रही हैं और उनका पलायन चल रहा है. फिल्म के ट्रेलर में यह भी दावा किया गया है कि 'संगठित रोहिंग्या और कट्टरपंथी बांग्लादेशी समूहों को सरकारी सहयोग देकर' पश्चिम बंगाल में बसाया जा रहा है. 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के डायरेक्टर सनोज मिश्रा का कहना है कि उन्होंने अपनी फिल्म तथ्यों के आधार पर बनाई है. उन्होंने कहा, 'मैंने तथ्यों के आधार पर फिल्म बनाई है. मैंने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुजारिश करता हूं. पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का नरसंहार, बलात्कार और पलायन हो रहा है.

Confidential
Investigation &
All type of
Detective Services

DETECTIVE GROUP®

+91-91110 50101

- ★ Spousal (or) Pre-Matrimonial check
- ★ Post-Marital Check
- ★ Individual Character (Personal Cases)
- ★ Missing Persons Investigation
- ★ Financial Services Industry
- ★ Background Investigation
- ★ Attomeys& Legal Services
- ★ Investigation (Audio / Video)
- ★ Bussiness Partners, Bussiness & Corporate
- ★ Real Estate Fraud Investigation
- ★ Corporate & Financial Investigation Services
- ★ Spousal (or) Matrimonial Affair During Divorce of Spouse
- ★ Human Resource Professionals Investigation / Shadowing
- ★ Individual Clients Missing / Kidnapped
- ★ Background Investigation
- ★ Criminal Record Check
- ★ Cyber Fraud Investigation
- ★ Forensic Investigation & Documents, Handwriting Check

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।